



संदेश

हिन्दी दिवस 2022 के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत एक कृषि प्रधान देश है और संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि इस कृषि प्रधान देश की राजभाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी ही है। इस कृषि प्रधान देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के वैज्ञानिक निरंतर कृषि अनुसंधान में लगे हुए हैं, वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे इन अनुसंधानों को किसानों के खेतों तक पहुंचाने में हिन्दी भाषा की बहुत बड़ी भूमिका है। अंग्रेजी के बिना विज्ञान नहीं, यह सच नहीं है, वास्तव में विज्ञान एक विचार है, एक प्रक्रिया है।

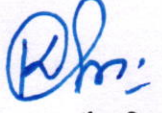
हिन्दी में काम करना अब सब सरकारी कर्मचारियों का संवैधानिक दायित्व है। भारत सरकार द्वारा नूतन उपकरणों तथा कंप्यूटरों एवं अन्य आधुनिक उपकरणों के माध्यम से हिन्दी के प्रयोग को व्यापक एवं सरल बनाने के उद्देश्य से अनेक कारगर कदम उठाए गए हैं, परिणामस्वरूप इन आधुनिक उपकरणों के माध्यम से हिन्दी में काम करना वर्तमान में अत्यंत सरल एवं रुचिकर हो गया है। सूचना प्रौद्योगिकी के नवीन आविष्कारों ने भी हिन्दी के साहित्यिक स्वरूप को प्रयोजनमूलक बनाने में बहुत योगदान दिया है तथा यूनिकोड की सहायता से बहुत कम अभ्यास और कम समय में अधिकारी/कर्मचारी अपना कार्य मौलिक रूप से हिन्दी में करने में समर्थ हो जाते हैं और इन्हीं कारणों से आज विश्व स्तर के अनेक सॉफ्टवेयर द्वारा हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में कार्य करने की दिशा में सरकार द्वारा बहुत ही श्रम एवं धन का नियोजन किया गया है, परिणामस्वरूप वर्तमान में मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट आदि में हिन्दी का प्रयोग प्रचुर एवं सहजता से होने लगा है।

14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया था और तब से अब तक हिन्दी का उत्तरोत्तर विकास हुआ है और हम यह भी कह सकते हैं कि हिन्दी अब वैश्वीकरण के बयार से अछूती नहीं है। हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी पहचान की मोहताज नहीं है। हिन्दी ने विश्व के फलक पर अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है।

राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रति जागरूकता तथा उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से केन्द्रीय सरकार के विभिन्न कार्यालयों में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस अथवा उस तारीख से प्रारंभ करके हिन्दी सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा या हिन्दी माह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम रखे जाते हैं।

मैं परिषद व संस्थानों में इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों से सफल आयोजन की कामना करता हूँ। साथ ही आप सभी से यह भी आह्वान करता हूँ कि ना केवल एक सप्ताह अथवा एक माह बल्कि पूरे वर्षभर अपने कार्यालयों में अपना सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करें।

शुभकामनाओं सहित।।


(कैलाश चौधरी)